Subject:	Hindi Language and Literature / हिंदी भाषा और साहित्य
Set Name:	V1_Set04
Code:	102
Exam Date:	17-04-2026
SLOT:	2

Question ID	11717
Question Type	MCQ
Passage	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** हिन्दी गद्य के प्रचार एवं प्रसार के साथ उसकी समस्याएँ भी बढ़ गई हैं। 'राजभाषा हिन्दी', 'राष्ट्रभाषा हिन्दी', 'सम्पर्क भाषा हिन्दी' एवं 'साहित्यिक हिन्दी' के स्वरूप-निर्धारण की समस्या, हिन्दी और उर्दू तथा हिन्दुस्तानी की समस्या, पारिभाषिक शब्द निर्माण की समस्या, हिन्दी के मानक व्याकरण की समस्या, लिपि सुधार की समस्या, राजकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग की समस्या, विश्वविद्यालय शिक्षा के लिए हिन्दी माध्यम की समस्या, हिन्दी के मानकीकरण की समस्या आदि अनेक ऐसी समस्याएँ हैं, जिनके प्रति आज के हिन्दी-हितैषी विद्वान जागरुक हैं, प्रयत्न चल रहे हैं। प्रयोग जारी है, विकास का क्रम अक्षुण्ण है और निकट भविष्य में सब ठीक हो जाएगा, ऐसा विश्वास है। विगत 175 वर्षों में हिन्दी गद्य का जिस प्रकार विकास हुआ है, उसे देखते हुए उसका भविष्य उज्ज्वल ही माना जाएगा। उपर्युक्त दुर्बलताओं के होते हुए भी यह निश्चत रूप से कहा जा सकता है कि आज हिन्दी के गद्य में शक्ति का संचार बड़ी ही तीव्रता से हो रहा है। उसका शब्द भण्डार बढ़ता जा रहा है। नये शब्द ढूँढ़े, गढ़े और लिए जा रहे हैं। कोश छपते जा रहे हैं। पारिभाषिक शब्दावलियाँ बनती जा रही हैं। विज्ञान, वाणिज्य, उद्योग-धन्धे, चिकित्सा, राजनीति, अर्थशास्त्र, भूगोल, दर्शन, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र आदि अनेक विषयों से सम्बन्धित शब्द प्रयोग में आते जा रहे हैं। धीरे-धीरे इन शब्दों का प्रयोग भी निश्चित होता जा रहा है और विश्वास किया जाता है कि शीघ्र ही हिन्दी-गद्य सभी विषयों की अपेक्षित अभिव्यक्ति में पूर्ण समर्थ हो जाएगा। इसके लिए आवश्यक है कि हिन्दी को विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम बनाया जाए और यथासम्भव सभी विषयों के शोधग्रन्थ हिन्दी में प्रस्तुत किए जायें। ऐसा न होने पर हिन्दी गद्य के पूर्ण विकास में पर्याप्त समय लग सकता है। आज हिन्दी को मात्र रचनात्मक साहित्य की भाषा के रूप में नहीं, ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा के रूप में भी प्रतिष्ठित होना है।
Question	उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार हिन्दी गद्य में शक्ति के संचार की तीव्रता को प्रकट करने वाले तत्वों में कौन सम्मिलित नहीं है? 1. शब्द भण्डार में वृद्धि 2. नए शब्दों की खोज और निर्माण 3. पारिभाषिक शब्दावलियों का निर्माण 4. वाणिज्य का विस्तार
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11719
Question Type	MCQ
Passage	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** हिन्दी गद्य के प्रचार एवं प्रसार के साथ उसकी समस्याएँ भी बढ़ गई हैं। 'राजभाषा हिन्दी', 'राष्ट्रभाषा हिन्दी', 'सम्पर्क भाषा हिन्दी' एवं 'साहित्यिक हिन्दी' के स्वरूप-निर्धारण की समस्या, हिन्दी और उर्दू तथा हिन्दुस्तानी की समस्या, पारिभाषिक शब्द निर्माण की समस्या, हिन्दी के मानक व्याकरण की समस्या, लिपि सुधार की समस्या, राजकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग की समस्या, विश्वविद्यालय शिक्षा के लिए हिन्दी माध्यम की समस्या, हिन्दी के मानकीकरण की समस्या आदि अनेक ऐसी समस्याएँ हैं, जिनके प्रति आज के हिन्दी-हितैषी विद्वान जागरुक हैं, प्रयत्न चल रहे हैं। प्रयोग जारी है, विकास का क्रम अक्षुण्ण है और निकट भविष्य में सब ठीक हो जाएगा, ऐसा विश्वास है। विगत 175 वर्षों में हिन्दी गद्य का जिस प्रकार विकास हुआ है, उसे देखते हुए उसका भविष्य उज्ज्वल ही माना जाएगा। उपर्युक्त दुर्बलताओं के होते हुए भी यह निश्चत रूप से कहा जा सकता है कि आज हिन्दी के गद्य में शक्ति का संचार बड़ी ही तीव्रता से हो रहा है। उसका शब्द भण्डार बढ़ता जा रहा है। नये शब्द ढूँढ़े, गढ़े और लिए जा रहे हैं। कोश छपते जा रहे हैं। पारिभाषिक शब्दावलियाँ बनती जा रही हैं। विज्ञान, वाणिज्य, उद्योग-धन्धे, चिकित्सा, राजनीति, अर्थशास्त्र, भूगोल, दर्शन, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र आदि अनेक विषयों से सम्बन्धित शब्द प्रयोग में आते जा रहे हैं। धीरे-धीरे इन शब्दों का प्रयोग भी निश्चित होता जा रहा है और विश्वास किया जाता है कि शीघ्र ही हिन्दी-गद्य सभी विषयों की अपेक्षित अभिव्यक्ति में पूर्ण समर्थ हो जाएगा। इसके लिए आवश्यक है कि हिन्दी को विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम बनाया जाए और यथासम्भव सभी विषयों के शोधग्रन्थ हिन्दी में प्रस्तुत किए जायें। ऐसा न होने पर हिन्दी गद्य के पूर्ण विकास में पर्याप्त समय लग सकता है। आज हिन्दी को मात्र रचनात्मक साहित्य की भाषा के रूप में नहीं, ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा के रूप में भी प्रतिष्ठित होना है।
	उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार हिन्दी गद्य के विकास की समयावधि मानी गई है

Question	उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार हिन्दी गद्य के विकास की समयावधि मानी गई है- 1. 100 वर्ष 2. 200 वर्ष 3. 175 वर्ष 4. 150 वर्ष
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11720
Question Type	MCQ
Passage	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** हिन्दी गद्य के प्रचार एवं प्रसार के साथ उसकी समस्याएँ भी बढ़ गई हैं। 'राजभाषा हिन्दी', 'राष्ट्रभाषा हिन्दी', 'सम्पर्क भाषा हिन्दी' एवं 'साहित्यिक हिन्दी' के स्वरूप-निर्धारण की समस्या, हिन्दी और उर्दू तथा हिन्दुस्तानी की समस्या, पारिभाषिक शब्द निर्माण की समस्या, हिन्दी के मानक व्याकरण की समस्या, लिपि सुधार की समस्या, राजकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग की समस्या, विश्वविद्यालय शिक्षा के लिए हिन्दी माध्यम की समस्या, हिन्दी के मानकीकरण की समस्या आदि अनेक ऐसी समस्याएँ हैं, जिनके प्रति आज के हिन्दी-हितैषी विद्वान जागरुक हैं, प्रयत्न चल रहे हैं। प्रयोग जारी है, विकास का क्रम अक्षुण्ण है और निकट भविष्य में सब ठीक हो जाएगा, ऐसा विश्वास है। विगत 175 वर्षों में हिन्दी गद्य का जिस प्रकार विकास हुआ है, उसे देखते हुए उसका भविष्य उज्ज्वल ही माना जाएगा। उपर्युक्त दुर्बलताओं के होते हुए भी यह निश्चत रूप से कहा जा सकता है कि आज हिन्दी के गद्य में शक्ति का संचार बड़ी ही तीव्रता से हो रहा है। उसका शब्द भण्डार बढ़ता जा रहा है। नये शब्द ढूँढ़े, गढ़े और लिए जा रहे हैं। कोश छपते जा रहे हैं। पारिभाषिक शब्दावलियाँ बनती जा रही हैं। विज्ञान, वाणिज्य, उद्योग-धन्धे, चिकित्सा, राजनीति, अर्थशास्त्र, भूगोल, दर्शन, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र आदि अनेक विषयों से सम्बन्धित शब्द प्रयोग में आते जा रहे हैं। धीरे-धीरे इन शब्दों का प्रयोग भी निश्चित होता जा रहा है और विश्वास किया जाता है कि शीघ्र ही हिन्दी-गद्य सभी विषयों की अपेक्षित अभिव्यक्ति में पूर्ण समर्थ हो जाएगा। इसके लिए आवश्यक है कि हिन्दी को विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम बनाया जाए और यथासम्भव सभी विषयों के शोधग्रन्थ हिन्दी में प्रस्तुत किए जायें। ऐसा न होने पर हिन्दी गद्य के पूर्ण विकास में पर्याप्त समय लग सकता है। आज हिन्दी को मात्र रचनात्मक साहित्य की भाषा के रूप में नहीं, ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा के रूप में भी प्रतिष्ठित होना है।
Question	उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार हिन्दी गद्य को सभी विषयों की अपेक्षित अभिव्यक्ति में पूर्ण समर्थ बनाने के लिए आवश्यक है कि- 1. नए शब्द ढूँढ़े जाएँ। 2. यथासम्भव सभी विषयों के शोधग्रन्थ हिन्दी में प्रस्तुत किए जाएँ। 3. हिन्दी को अधिकाधिक लोगों की कार्यभाषा बनाया जाए। 4. सभी पुस्तकें अनिवार्य रूप से हिन्दी में लिखी जाएँ।
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11721
Question Type	MCQ
Passage	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** हिन्दी गद्य के प्रचार एवं प्रसार के साथ उसकी समस्याएँ भी बढ़ गई हैं। 'राजभाषा हिन्दी', 'राष्ट्रभाषा हिन्दी', 'सम्पर्क भाषा हिन्दी' एवं 'साहित्यिक हिन्दी' के स्वरूप-निर्धारण की समस्या, हिन्दी और उर्दू तथा हिन्दुस्तानी की समस्या, पारिभाषिक शब्द निर्माण की समस्या, हिन्दी के मानक व्याकरण की समस्या, लिपि सुधार की समस्या, राजकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग की समस्या, विश्वविद्यालय शिक्षा के लिए हिन्दी माध्यम की समस्या, हिन्दी के मानकीकरण की समस्या आदि अनेक ऐसी समस्याएँ हैं, जिनके प्रति आज के हिन्दी-हितैषी विद्वान जागरुक हैं, प्रयत्न चल रहे हैं। प्रयोग जारी है, विकास का क्रम अक्षुण्ण है और निकट भविष्य में सब ठीक हो जाएगा, ऐसा विश्वास है। विगत 175 वर्षों में हिन्दी गद्य का जिस प्रकार विकास हुआ है, उसे देखते हुए उसका भविष्य उज्ज्वल ही माना जाएगा। उपर्युक्त दुर्बलताओं के होते हुए भी यह निश्चत रूप से कहा जा सकता है कि आज हिन्दी के गद्य में शक्ति का संचार बड़ी ही तीव्रता से हो रहा है। उसका शब्द भण्डार बढ़ता जा रहा है। नये शब्द ढूँढ़े, गढ़े और लिए जा रहे हैं। कोश छपते जा रहे हैं। पारिभाषिक शब्दावलियाँ बनती जा रही हैं। विज्ञान, वाणिज्य, उद्योग-धन्धे, चिकित्सा, राजनीति, अर्थशास्त्र, भूगोल, दर्शन, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र आदि अनेक विषयों से सम्बन्धित शब्द प्रयोग में आते जा रहे हैं। धीरे-

	भूगोल, दर्शन, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र आदि अनेक विषयों से सम्बन्धित शब्द प्रयोग में आते जा रहे हैं। धीरे-धीरे इन शब्दों का प्रयोग भी निश्चित होता जा रहा है और विश्वास किया जाता है कि शीघ्र ही हिन्दी-गद्य सभी विषयों की अपेक्षित अभिव्यक्ति में पूर्ण समर्थ हो जाएगा। इसके लिए आवश्यक है कि हिन्दी को विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम बनाया जाए और यथासम्भव सभी विषयों के शोधग्रन्थ हिन्दी में प्रस्तुत किए जायें। ऐसा न होने पर हिन्दी गद्य के पूर्ण विकास में पर्याप्त समय लग सकता है। आज हिन्दी को मात्र रचनात्मक साहित्य की भाषा के रूप में नहीं, ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा के रूप में भी प्रतिष्ठित होना है।
Question	उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार आज हिन्दी को किस प्रकार की भाषा के रुप में प्रतिष्ठित होने की आवश्यकता है? 1. विश्वविद्यालयों की भाषा 2. ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा 3. रचनात्मक साहित्य की भाषा 4. वाणिज्य - उद्योग की भाषा
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11722
Question Type	MCQ
Question	'इत्यादि' में कौन-सी सन्धि है? 1. दीर्घ-सन्धि 2. यण-सन्धि 3. वृद्धि-सन्धि 4. अयादि-सन्धि
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11723
Question Type	MCQ
Question	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग नहीं है? 1. अस्तित्व 2. निमंत्रण 3. परिवर्तन 4. निधि
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11724
Question Type	MCQ
Question	निम्नलिखित उदाहरणों में 'आ' प्रत्यय से निर्मित शब्दों की पहचान कीजिए- A. वेदना B. इच्छा C. पूजा D. वंदना E. बुढ़ापा नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें :

	1. केवल A और B 2. केवल B और C 3. केवल C और E 4. केवल D और E
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11727
Question Type	MCQ
Question	"कहती हुई यों उत्तरा के, नेत्र जल से भर गए। हिम के कणों से पूर्ण मानों हो गए पंकज नए।" उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है? 1. उपमा अलंकार 2. विरोधाभास अलंकार 3. उत्प्रेक्षा अलंकार 4. यमक अलंकार
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11729
Question Type	MCQ
Question	'नीलोत्पल' किस समास का उदाहरण है? 1. अव्ययी भाव 2. बहुब्रीहि 3. तत्पुरुष 4. कर्मधारय
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11730
Question Type	MCQ
Question	'पराक्रम' शब्द में कौन सा उपसर्ग लगा है? 1. परो 2. प 3. पर 4. परा
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11732
Question Type	MCQ
Question	निम्नलिखित रचनाओं का रचनाकाल के अनुसार सही आरोही क्रम क्या होगा? A. कामायनी B. साकेत C. रामचरितमानस D. रामचन्द्रिका नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें : 1. D, C, B, A 2. C, D, A, B 3. C, D, B, A 4. A, C, D, B
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11735
Question Type	MCQ
Question	निम्नलिखित में से 'अग्नि' के पर्यायवाची हैं- A. अनल B. जलज C. जाह्नवी D. पावक नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें : 1. केवल B और C 2. केवल C और D 3. केवल A और D 4. केवल A और B
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11737
Question Type	MCQ
Question	निम्नलिखित में से यण संधि का उदाहरण नहीं है- 1. प्रत्युपकार 2. प्रत्येक 3. भावुक 4. व्याघात
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11738
Question Type	MCQ
	सूची-I का **सूची-II** से मिलान करें -

Question

सूची-I हिंदी साहित्य का आधुनिक काल		सूची-II कालावधि	
A.	भारतेंदु युग	I.	1920 ई. - 1936 ई.
B.	द्विवेदी युग	II.	1850 ई. - 1900 ई.
C.	छायावाद युग	III.	1936 ई. - 1942 ई.
D.	प्रगतिवाद युग	IV.	1900 ई. - 1920 ई.

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें।

1. A-III, B-II, C-IV, D-I
2. A-I, B-III, C-II, D-IV
3. A-IV, B-I, C-III, D-II
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

Options

A 1

B 2

C 3

D 4

Question ID 11740

Question Type MCQ

Question

'जो होने से पूर्व किसी बात का अनुमान करे'- वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

1. आगतविधाता
2. अनागतविधाता
3. अमानुषिक
4. आसक्ति

Options

A 1

B 2

C 3

D 4

Question ID 11741

Question Type MCQ

Question

निम्नलिखित को **विदेशी, देशज, तत्सम व तद्भव** के क्रम में लगाइए-

A. पगड़ी
B. किवाड़
C. मीटर
D. कार्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें :

1. A, B, C, D
2. D, C, B, A
3. B, D, A, C
4. C, A, D, B

Options

A 1

B 2

C 3

D 4

Question ID 11743

Question Type MCQ

निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए-

Question

1. त्रिदोश
2. तिर्दोष
3. त्रिदोष
4. तृदोष

Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11744
Question Type	MCQ

Question

निम्नलिखित में से संप्रदान कारक के उदाहरण की पहचान कीजिए-

A. वह संध्या के समय गंगा-किनारे जाता है।
B. जिस समय वह आया था, उस समय मैं नहीं था।
C. मेरे निमित्त ही ईश्वर की कोई कृपा नहीं।
D. उस जगह एक सभा होने जा रही है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल D
3. केवल C
4. केवल B

Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11746
Question Type	MCQ

Question

ध्वंस, गोचर, निषिद्ध, उन्मुख शब्दों के विलोम को पहचानकर इसी क्रम में व्यवस्थित कीजिए-

A. निर्माण
B. गोतीत
C. विहित
D. अधोमुख

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें :

1. D, B, C, A
2. A, C, B, D
3. A, B, C, D
4. A, D, B, C

Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11747
Question Type	MCQ

Question

सूची-I का **सूची-II** से मिलान करें-

सूची-I मुहावरे		**सूची-II अर्थ**	
A.	कान का कच्चा होना	I.	गौरव से भर जाना

Question	A.	कान का कच्चा होना	I.	गौरव से मर जाना
	B.	गजभर की छाती होना	II.	बढ़ा-चढ़ाकर बात करना
	C.	नाक पर मक्खी न बैठने देना	III.	बिना सोचे-विचारे किसी पर भी विश्वास करना
	D.	राई का पहाड़ बनाना	IV.	अपने ऊपर कोई संकट न आने देना

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें।

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-II, B-IV, C-III, D-I
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-III, B-IV, C-I, D-II

Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11748
Question Type	MCQ

Question

'चौथा व्यक्ति ज़्यादा होशियार है।' इस वाक्य में 'चौथा' शब्द किस विशेषण भेद के अंतर्गत आएगा?

1. संख्यावाचक विशेषण
2. गुणवाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11749
Question Type	MCQ

Question

सूची-I का **सूची-II** से मिलान करें-

सूची-I **तत्सम**		**सूची-II** **तद्भव**	
A.	पद	I.	पीठ
B.	पृष्ठ	II.	हाथी
C.	हस्ती	III.	बच्चा
D.	वत्स	IV.	पैर

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर चुनें।

1. A-IV, B-I, C-III, D-II
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

Options	
A	1
B	2
C	3
D	4

Question ID	11750
Question Type	MCQ

Question	निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में कौन सा रस है? अखिल भुवन चर-अचर सब, हरि मुख में लखि मातु। चकित भई गद्गद् वचन, विकसित दृग पुलकातु।। 1. श्रृंगार रस 2. शांत रस 3. अद्भुत रस 4. वीर रस
Options	
A	1
B	2
C	3
D	4